जीवन में सहूलियतों के साथ ज़िम्मेदारी का भाव भी ज़रूरी

हमारे घरों में मौजूद तमाम सुख-सुविधाओं पर गौर करें। सहूलियत देने वाली चीज़ें या उपकरण रातों-रात नहीं आए। हमने अपने घर की एक-एक चीज़ धीरे-धीरे खरीदी है। पहले साइकिल आई, फिर स्कूटर आया, फिर गाड़ी आई, फिर घर लेने में तो कितना समय लगा। लेकिन आज आपके बच्चों को सबकुछ मिला हुआ है। उनके पास सारी सहूलियतें हैं। ऐसे में आने वाली पीढ़ी को तो पता ही नहीं होगा कि फोन के बिना भी कोई जीवन होता है। यह उनकी समझ से परे होगा कि आप किसी दूसरे शहर में जा रहे हों और आप बात ही नहीं कर सकते।

हम वही लोग हैं, जो कभी चिट्ठी लिखकर अपनी कुशलता बताते थे। लेकिन आज फ्लाइट के जमीन पर लैंड करने तक का इंतज़ार नहीं कर पा रहे हैं। एयरहॉस्टेस को कहना पड़ता है, रुकिए...। ये समस्या किसकी है? फोन की? फोन तो फूल है, जो हमारे जीवन को सुंदर और आरामदेह बनाने के लिए आया था। लेकिन ठीक से इस्तेमाल नहीं किया तो वो ही फोन फिर बेचैनी बन गया। कुछ लोग तो कहते हैं ये फोन बहुत तनाव देता है। मतलब वह फूल ही चुभने लग गया। उसमें फोन का दोष नहीं। अगली बार जब फ्लाइट लैंड करने वाली हो तो सचेत होकर दस मिनट उसको चालू नहीं करें। दो घंटे से फ्लाइट में बैठे थे और 10 मिनट में क्या हो जाएगा।

आपको अपना धैर्य नहीं खोना है, क्योंकि इससे आपकी शक्ति घट रही है। जीवन के हर दृश्य में देखें कि मेरी शक्ति घट रही

ब्र.कु. शिवानी बहन, जीवन प्रबंधन विशेषज्ञा

है या बढ़ रही है। अगर हम जल्दी-जल्दी फोन चालू करेंगे तो लगता है कि हमारी शक्ति घटेगी। सिर्फ एक फोन चालू करने की प्रक्रिया में आत्मा की शक्ति घट रही है, तो सारे दिन का अनुमान लगाइए। इसीलिए लोग कहते हैं जब फोन नहीं था तब हम ज़्यादा खुश थे। अब हमें क्या करना है फोन भी इस्तेमाल करना है और शक्ति भी बढ़ानी है। इस तरह हम वो खूबसूरत पीढ़ी बनकर उभरेंगे, जिसके पास आराम भी होगा और साथ में शक्ति भी होगी।

हमारी पहले की पीढ़ी के पास आराम कम था, लेकिन शक्ति ज़्यादा थी। अगर हमने ध्यान नहीं रखा तो हमारी अगली पीढ़ी के पास सहूलियतें तो सारी होंगी, लेकिन अंदरूनी शक्ति नहीं होगी। जिनको बिना मेहनत किए सुकून-सहूलियतें मिलेंगी, वैसे भी उनकी शक्ति घट जाएगी। क्योंकि उनको ये नहीं पता कि बिना आराम के भी कोई जीवन हो सकता है। उनको ये ही नहीं पता कि जब चीज़ें मेरे अनुसार न हो तो ऐसा भी कोई जीवन हो सकता है। इसलिए हमारी ज़िम्मेदारी है कि हम उनको सुविधाओं के साथ आंतरिक ताकत दें। अगर आपका बच्चा स्कूल में प्रथम भी आया तो क्या ज़रूरी है कि वो जीवन में सफल होगा! लेकिन जीवन में सफल होने के लिए उस आत्मा के पास आंतरिक शक्ति होनी चाहिए। आंतरिक ताकत मतलब सामंजस्य या तालमेल बैठाने की शक्ति, बर्दाश्त करने की शक्ति, अलग-अलग संस्कारों के साथ मिलकर चलने की शक्ति, समस्या आने पर स्थिर रहने की शक्ति, औरों से प्यार से काम करवाने की शक्ति, ये सारी शक्ति हम उसे कौन-से स्कूल में देंगे?

सारनाथ-उ.प्र.। आध्यात्मिक ज्ञान चर्चा के पश्चात् असम और मणिपुर के माननीय राज्यपाल लक्ष्मण आचार्य को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए वरिष्ठ राजयोगी ब्र.कु. दीपेंद्र भाई। साथ हैं ब्र.कु. राधिका बहन, ब्र.कु. तापोशी, ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. विपिन तथा अन्य।

जयपुर-वैशाली नगर(राज.)। जय श्री पेरीवाल इंटरनेशनल स्कूल,महापुरा में आयोजित सर्वमंगलाय सनातन धर्म फाउंडेशन के शुभारंभ समारोह एवं सनातन जयघोष कार्यक्रम में गाय का पूजन वंदन करते हुए ब्रह्माकुमारीज़ जयपुर सबज़ोन प्रभारी राजयोगिनी ब्र.कु. सुषमा दीदी, अंतर्राष्ट्रीय संत स्वामी चिदानंद सरस्वती महाराज, साध्वी भगवती सरस्वती, ब्र.कु. चंद्रकला दीदी व अन्य भाई-बहनें।

ओमशान्ति मीडिया वर्ग पहेली-04 (2024 -25)

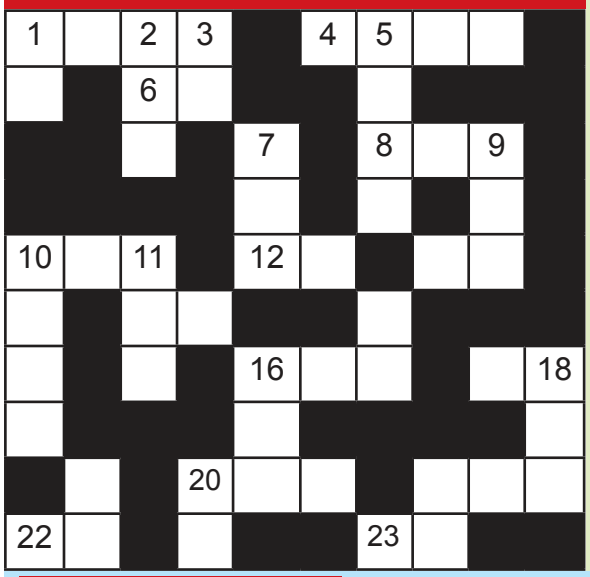

बायें से दायें

1. जब माया को चैलन्ज किया तो यह समस्याएं, यह बातें, यह हलचल माया के ही तो रॉयल रूप हैं। माया और तो कोई रूप में आयेगी नहीं। इन रूपों में ही..... बनना है। (4)
2. विजय, जय।(2)
4. अपने मन में दृढ़ता लाओ, थोडी सी बात में संकल्प को ढीला नहीं कर दो। कोई ..... करें, कोई घृणा करे, कोई अपमान करें, कोई निंदा करे, कभी भी कोई दुःख दे, लेकिन आपकी शुभ भावना मिट नहीं जाए।(4)
6. तुम्हें पुरूषार्थ से नम्बर..... में आना है।(2)
8. अधिवक्ता, अभिभाषक (3)
10. तंत्र, उपकरण (3)
12. हमे बाबा के सिर का ..... बनना है। (2)
13. बगीचे की संभाल करने वाला, बाग को सींचन करने वाला। (2)
14. पानी, नीर (2)
16. नारी, स्त्री (3)
17. सतयुग की प्रथम राजकुमारी (2)
20. जो बाप ने किया, वह करना है... बस। ..... पर ..... रखना है। तो समान बनना सहज अनुभव होगा। (3)
21. सब जीव-जन्तुओं के लिए हमारे मन में ..... भाव होना चाहिए। (3)
22. ज्ञान से ..... मिलती है। (2)
23. जब से आपने निश्चय किया, ...से कहा " मैं बाबा का, बाबा मेरा!" तब से आपने माया को चैलेन्ज किया कि मैं मायाजीत बनूंगा, बनूंगी। (2)

ऊपर से नीचे

1. ..... की भी अंत तो होनी है, लेकिन जितना अन्त समीप आ रहा है, उतना वह नये - नये रूप से अपने शस्त्र यूज़ कर रही है, करेगी भी। (2)
2. ..... तुमने दिया है, संभालोगे तुम... आशा है विश्वास है... (3)
3. शरीर, देह (2)
5. अगर आप कहेंगी यह क्यों किया, ऐसा थोडेही किया जाता है, यह नहीं करना होता है, तो पहले ही बिचारा संस्कार के वश है, कमजोर है, तो वह ..... हो जाता है। प्रोग्रेस नहीं कर सकता है। (4)
6. जंगल, विपिन (2)
7. हमारा आदि स्वरूप क्या है?(3)
8. अपनी बात मनवाना, अधिकार करना (2)
9. सुन्दर, प्रिय (3)
10. बापदादा अण्डरलाइन कर रहे हैं-माया ऐसे-ऐसे रूप में आनी है, आ रही है। जो ..... ही नहीं करेंगे कि यह माया है। (4)
11. बाबा ..... से निहाल कर देते हैं। (3)
15. महल, पवित्रता का ..... मजबूत करना है। (2)
16. आप दोनों दादियों का मधुबन में होना ही ..... हैं। (3)
18. पवित्रता की ..... सर्वश्रेष्ठ है। (3)
19. योग से ..... मिलती है। (2)
20. अफसोस, तकलीफ (2)
21. हर मुश्किल का हल होगा, आज नहीं तो .....होगा।(2)

03/24- पहेली का उत्तर

अव्यक्त मुरली 11-11-2000

ऊपर से नीचे: 1. विदेही, 2. तामसिक, 3. बालक, 4. दाता, 6. चलन, 7. फाइनल, 8. कपास, 9. जीव 10. पास, 11. लकीएस्ट, 12. सहयोग, 13. मस्तक, 16. रहम, 18. मन, 19. रोना।

बायें से दायें: 1. विधाता, 3. बापदादा, 4. दादा 5. महल, 7. फाइल, 10. पावन, 11. लवलीन, 14. राह, 15. एकरस, 16. रस, 17. नमक, 19. रोग, 20. समय, 21. देना।

FOR ONLINE TRANSFER

Pay Directly to: osmorerf@indianbk

BANK NAME:- INDIAN BANK
BRANCH:- Shantivan,Talhati
ACCOUNT :- OM SHANTI MEDIA OF RERF
ACCOUNT NO:- 7552337300,
IFSC - CODE:- IDIB000S319

Note:- AfterTransfer send detail on
E-Mail - omshantimedia.acct@bkivv.org
E-Mail - omshantimedia@bkivv.org

ओमशान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें

कार्यालय - ओमशान्ति मीडिया
संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज़,शान्तिवन,तलहटी,
पोस्ट बॉक्स न-5,आबू रोड, राज. 307510
संपर्क- M- 9414006096, 9414154344, 9414182088
Email-omshantimedia@bkivv.org
सदस्यता शुल्क : भारत - वार्षिक - ₹-240, तीन वर्ष - ₹- 720, आजीवन - ₹- 6000
Website: www.omshantimedia.org